# कहानियाँ

## कक्षा : 3–5

2023-24

## इस पुस्तिका की तैयारी में सहयोग दिया है :


भरत शर्मा, मेंटर टीचर

पवन दहिया, मेंटर टीचर

कमलेश तोमर, मेंटर टीचर

निकेता मलिक, मेंटर टीचर

बबिता भंडारी, मेंटर टीचर

मीनू कुमारी, मेंटर टीचर

मुकेश चौधरी, प्रोजेक्ट लीड, ई एम ओ

दिशा अग्रवाल, सी एम आई ई फेलो, ई एम ओ

अमृतलाल यादव, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन

कोमल, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन

धर्मवीर, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन

शिव कुमार, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन

अभय कुमार, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन


## सम्पादन


डॉ. फ़ैयाज़ अहमद, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन

सायरा बानो, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन


## छायांकन


अदिति, एन आई डी

गौरी शिलेन्द्रण, एन आई डी

ख़ुशी चौहान, एन आई डी

त्रिवेन्द्र डाँगी, एन आई डी

**ATISHI**
**आतिशी**

**MINISTER**
GOVT. OF NCT OF DELHI
मंत्री, दिल्ली सरकार
DELHI SECTT, I.P. ESTATE
दिल्ली सचिवालय, आई0पी0एस्टेट
NEW DELHI-110002
नई दिल्ली-110002


प्यारे बच्चो,

आप सभी की शुरुआती पढ़ाई के लिए ज़रूरी है कि आपको पढ़ना–लिखना और बुनियादी गणित के सवालों को हल करना आना चाहिए। अपनी इन्हीं क्षमताओं के आधार पर आप आगे की कक्षाओं में अन्य विषयों को सीख सकते हैं। आपके अन्दर इन्हीं कौशलों को विकसित करने के लिए मिशन बुनियाद की शुरुआत की गई है, जहाँ कक्षा तीसरी से आठवीं तक के बच्चों की आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें सीखने के मौक़े दिए जाते हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा सीखने में सक्षम हो। मिशन बुनियाद की कक्षाओं में आपको उस स्तर से सिखाना शुरू किया जाएगा जहाँ आप अभी हैं और उस स्तर तक पहुँचाया जाएगा जहाँ आप जाना चाहते हैं। इसके द्वारा आपको आगे बढ़ने का हर वो मौक़ा दिया जाएगा जिसकी आपको ज़रूरत है।

इस नए सत्र में भी मिशन बुनियाद आप सभी के बुनियादी गणित और पढ़ने–लिखने के कौशल को निखारने का काम करेगा। जहाँ बहुत–सी कहानियाँ, गतिविधियाँ और खेल आपके सीखने के इस सफ़र को और मज़ेदार बना देंगे। मिशन बुनियाद की कक्षाओं में आप सभी को ऐसा वातावरण मिलेगा जिससे आप अपनी गति से सीख सकेंगे।

इसलिए आप लोगों से मेरी यह अपेक्षा है कि आप सभी बच्चे पूरे मन से, बहुत कुछ नया सीखने के लिए मिशन बुनियाद की कक्षाओं में ज़रूर शामिल हों। मुझे उम्मीद है कि मिशन बुनियाद से आप सभी ज़रूर लाभान्वित होंगे। बहुत अच्छे से पढ़ना–लिखना और गणित के सवालों को हल करना सीख जाएँगे और भारत को दुनिया का नंबर – 1 देश बनाने में अपना योगदान देंगे।

शुभकामनाओं के साथ,

atishi

आतिशी

शिक्षा मंत्री, एनसीटी, दिल्ली सरकार

# रोटी

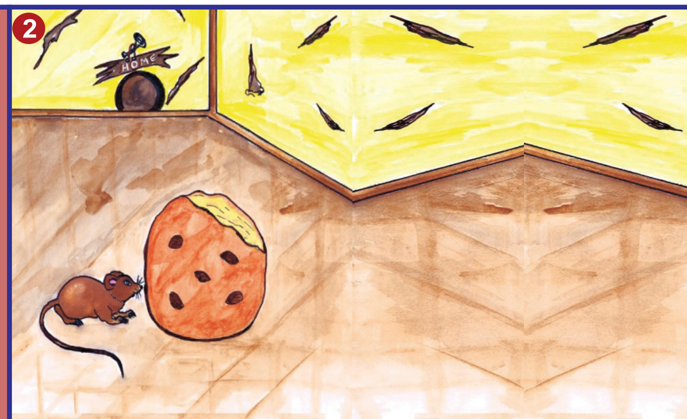

एक रोटी चूहे ने देखी।

सोचा इसको खा जाऊँ।

रोटी बड़ी और चूहा छोटा।

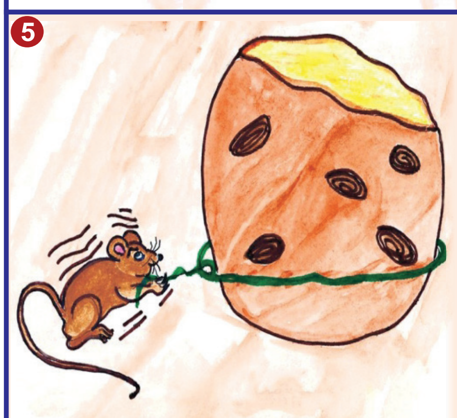

बाँध रस्सी और ज़ोर से खींचा।

बिल में पहुँची बड़ी–सी रोटी।

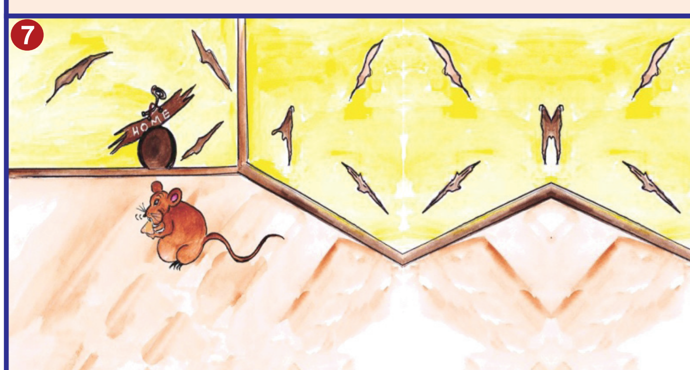

खाते–खाते रोटी हो गई छोटी।

रोटी खाकर जी घबराया
और चूहे को चक्कर आया।

Re-Written : Komal
Acknowledgment : Story Weaver
Illustrator : Harminder Ohri

# रोटी

1. कहानी में कौन–कौन है?

________ ________ ________ ________

________ ________ ________ ________

2. रोटी खाकर चूहे को चक्कर क्यों आया ?

________________________________

________________________________

3. मिलाकर शब्द बनाएँ।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रो | टी | | | = | रोटी |
| चू | हा | | | = | |
| छो | टा | | | = | |
| बि | ल | | | = | |
| घ | ब | रा | या | = | |

4. लययुक्त शब्द बनाएँ।

| | |
|---|---|
| रोटी | बिल |
| छोटी | ________ |
| ________ | ________ |
| ________ | ________ |
| ________ | ________ |

3. चाँद का चित्र बनाएँ और रंग भरें।

Writer : Dharam Vir
Illustrator : Grey Stroke, Niloufer Wadia, Partho Sengupta, Priyanka Kumar, Tapas Guha

# सूरज की दोस्त चंदा

1. सूरज क्यों मुस्काया?

2. चंदा ने क्या किया?

3. आसमान में चाँद के अलावा और क्या–क्या दिखता है? उनके नाम लिखें।

4. दिए गए चित्रों के नाम की पहली आवाज़ लिखें।

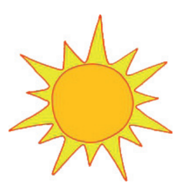

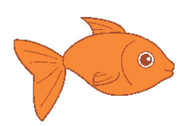

5. सूरज का चित्र बनाकर रंग भरें।

Writer : Dharam Vir Acknowledgment : Story Weaver Illustrator : Rohit Bhasi

# ढोल

1. कहानी किसके बारे में है?

______________________________

______________________________

2. बंदर हैरान क्यों हुआ?

______________________________

______________________________

3. नीचे दिए गए चित्रों के नाम की दूसरी आवाज़ लिखें।

____________ ____________ ____________

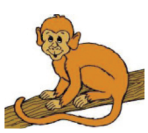 ____________ ____________ ____________

4. नीचे दिए गए शब्दों की आवाज़ों को अलग–अलग करें।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| जंगल | = | | | |
| पेड़ | = | | | |
| तारा | = | | | |
| धमाल | = | | | |

5. ढोल का चित्र बनाकर रंग भरें।

Writer : Dharam Vir

Acknowledgment : Story Weaver

Illustrator : Ruchi Shah

# बिल्लो की बिल्ली

1. बिल्लो कौन है?

______________________________________________

______________________________________________

2. बिल्लो ने क्या देखा?

______________________________________________

______________________________________________

3. शब्दों को मिलाकर लिखें।

| | | | |
|---|---|---|---|
| प | क | ड़ा | |
| दौ | ड़ | | |
| दू | ध | | |
| प | ढ़ा | ई | |

4. चित्रों के नाम का पहला अक्षर लिखें।

____________

____________

____________

____________

____________

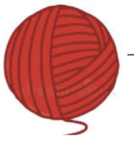 ____________

5. एक बिल्ली का चित्र बनाएँ और उसमें रंग भरें।

Writer : Dharam Vir　　Acknowledgment : Story Weaver　　Illustrator : Suvidha Mistry

# रेलगाड़ी

1. लड़की ने ज़मीन पर किस चीज़ का चित्र बनाया?

2. रेलगाड़ी में आपको जो चीज़ें नज़र आती हैं, उनके नाम लिखें।

3. आपने कौन–कौन से वाहनों से यात्रा की है ? सूची बनाएँ।

4. कहानी से ऐसे शब्दों को ढूँढकर लिखें जिसमें 'ल' अक्षर हो।

5. अपने मनपसंद वाहन का चित्र बनाकर उसमें मनचाहे रंग भरें।

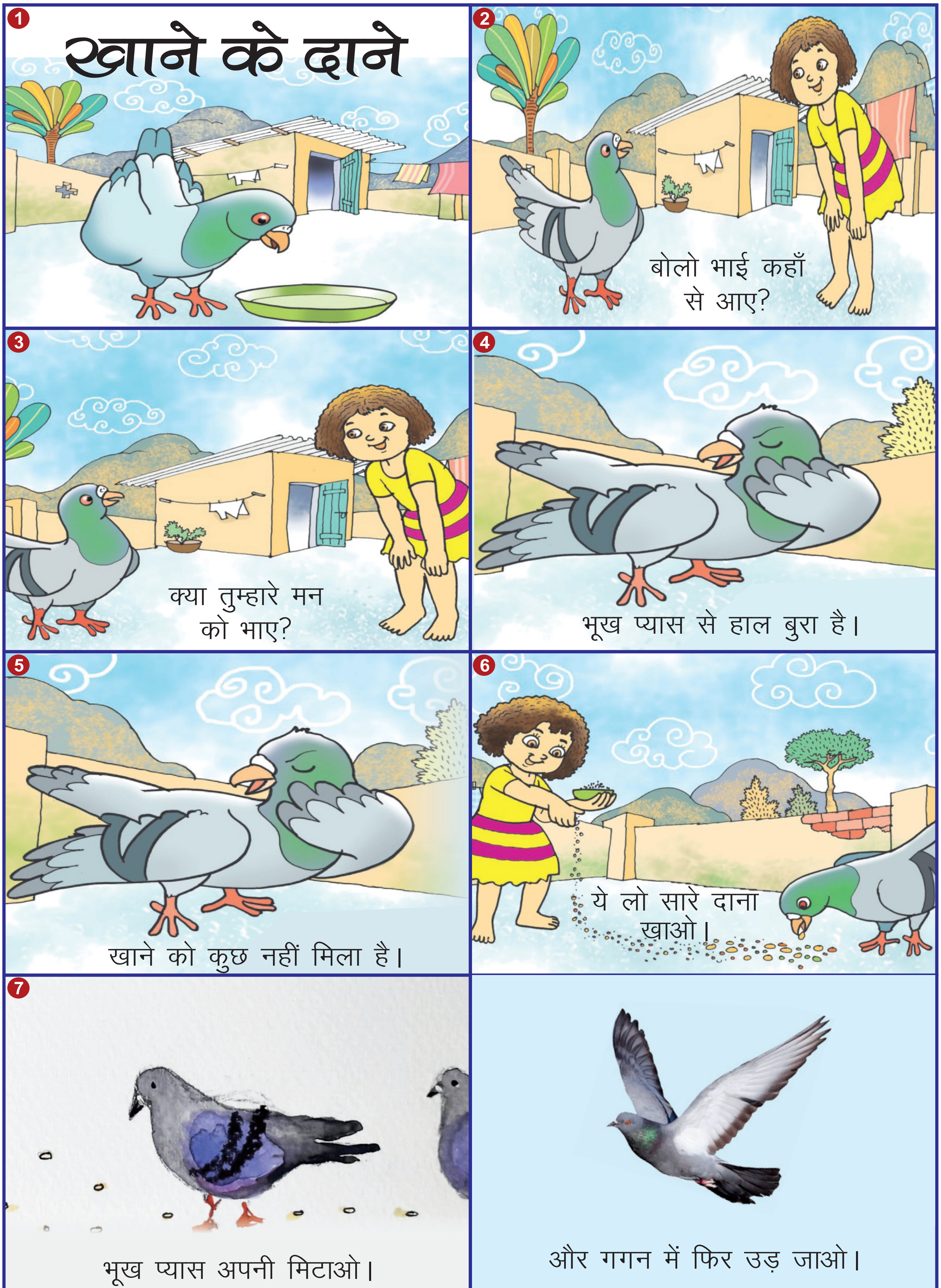


Writer : Dharam Vir

Illustrator : Partho Sengupta & Rewa Sharma

# खाने के दाने

1. कहानी में कौन–कौन है?

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

2. मिलते–जुलते शब्द लिखें।

आना जाना ______ ______ ______

तोता रोता ______ ______ ______

3. कोई पाँच पक्षियों के नाम लिखें।

1. ______
2. ______
3. ______
4. ______
5. ______

4. ऐसी वस्तुओं की सूची बनाएँ जो 'प' अक्षर से शुरू होता है।

प = पतंग ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

5. आपको कौन–सा पक्षी पसंद है? उसका चित्र बनाकर, नाम लिखें।

1

# मेरा साथी

2

एक आदमी बहुत अकेला था।

3

एक दिन उसे एक कुत्ता मिला।

4

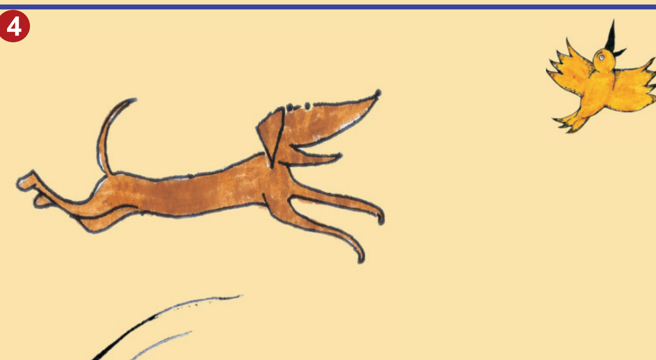

कुत्ते ने चिड़िया को देखा और
उसके पीछे भागा।

5

और आदमी कुत्ते के पीछे भागा।

6

चिड़िया फुर्र हो गई। लेकिन आदमी
अभी भी कुत्ते के पीछे था।

7

आदमी ने कुत्ते को पकड़ा।

8

कुछ दिनों में दोनों दोस्त बन गए।

Writer : Dharam Vir Acknowledgment : Story Weaver Illustrator : Parismita

# मेरा साथी

1. कुत्ता क्यों भागा?

2. आदमी कुत्ते के पीछे क्यों भागता रहा?

3. आपके दोस्त कौन–कौन हैं? उनके नाम लिखें।

4. कहानी से ऐसे शब्दों को लिखकर गोला लगाएँ जिनमें 'क' अक्षर आया हो।

एक

5. अपने दोस्त का चित्र बनाएँ। उसकी कोई ख़ास बात लिखें।

# दर्द छूमंतर हुआ

शेर बहुत परेशान था।

गधा शेर की परेशानी पर हँस पड़ा।

शेर दहाड़ा और गधा दुम दबाकर भागा।

एक चूहा हिम्मत करके शेर के पास आया।

शेर ने उसे मुँह खोलकर दिखाया।

तब चूहे को सब समझ आया।
उसने शेर को कुछ बताया।

चूहे ने शेर का सारा दर्द दूर भगाया।

Re-Written : Dharam Vir　Acknowledgment : Story Weaver　Illustrator : Ajit Narayan

# दर्द छूमंतर हुआ

1. गधा क्यों हँसा?

______________________________________

______________________________________

2. जंगल में कौन–कौन था? उनके नाम लिखें।

__________ __________ __________ __________

__________ __________ __________ __________

3. नीचे दिए गए अक्षरों से शब्द बनाएँ।

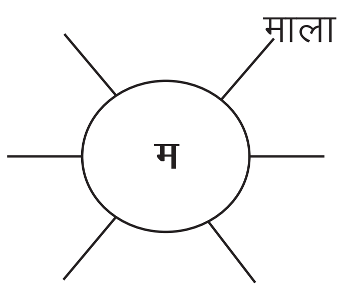


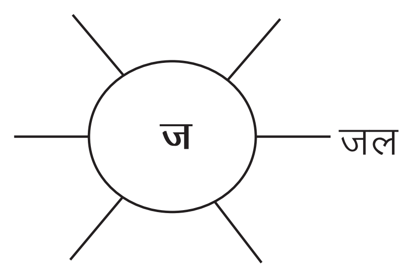


4. दिए गए चित्र की दूसरी आवाज़ से शब्द बनाएँ।

यात्री __________

__________ __________

टमाटर __________

__________ __________

5. अपने दाँतों के जबड़े का चित्र बनाएँ? दाँतों की सफ़ाई क्यों ज़रूरी है लिखें।

1

# चाँद गगन में अच्छा है...

2

चाँद है बहुत दूर यहाँ से।
चलो उसको पास बुलाएँ।

3

कागज़ की एक
कॉपी पर आओ
उसे सजाएँ।

4

टेढ़ा–मेढ़ा बना
चाँद, पर गोल
नहीं बन पाया।

5

गोल बनाने के चक्कर में
पेपर बहुत गँवाया।

6

तब दादू ने हमको
मज़े का सबक
सिखाया।

7

सबक सीखकर समझ में आया,
चाँद गगन में अच्छा है।

8

और धरती पर चिड़िया
बनाकर उड़ाना
सबसे अच्छा है।

Writer : Dharam Vir
Acknowledgment : Story Weaver
Illustrator : Tanvee Nabar

# चाँद गगन में अच्छा है

1. दादू ने क्या बताया?

2. कहानी में क्या बनाने की बात हो रही है?

3. आपको काग़ज़ से क्या–क्या बनाना अच्छा लगता है? लिखें।

4. नीचे दी गई अलग–अलग आवाज़ों से नए शब्द बनाएँ।

| | | |
|---|---|---|
| नी | पो | का |
| से | कौ | नै |

5. कागज से कोई मनपसंद चीज़ बनाएँ, चिपकाए। उसके बारे में कोई ख़ास बात लिखें।

Re-Written : Komal Acknowledgment : Story Weaver Illustrator : Isha Mangalmurti

# शरारती टिमटिम

1. टिमटिम क्या–क्या करता है?

2. टिमटिम को क्या करने में मज़ा आता था?

3. आप कब–कब कौन सी शरारतें करते हैं?

4. दी गई आवाज़ों से शब्द बनाकर लिखें।

चो

नी

रा

5. अपने घर का चित्र बनाएँ। घर के बारे में एक लाइन लिखें।

Re-Written : Dharam Vir
Acknowledgment : Story Weaver
Illustrator : Rajeev Eipe

# चलो काम पर चलें

1. कहानी किसके बारे में है?

2. सफ़ाई वाले के लिए सभी लोगों का व्यवहार आपको कैसा लगा?

3. अपने घर के आसपास को साफ़ रखने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

4. लययुक्त शब्द लिखें।

नाक

गाकर

कूड़ा

5. कूड़ेदान का चित्र बनाएँ। उसके बारे में दो वाक्य लिखें।

Writer : Komal Acknowledgment : Story Weaver Illustrator : Angie and Upesh

# टोपी

1. कहानी में किसे टोपी पहनाने की बात हो रही है?

2. क्या आप बता सकते हैं टोपी किस–किस काम आती है?

3. चाँद को और किन–किन नामों से जानते हैं? पता करके लिखें।

4. चित्र की आखिरी आवाज़ से शब्द सोचकर लिखें।

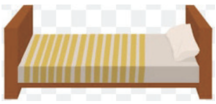 ______ ________ ______ ________

______ ________ 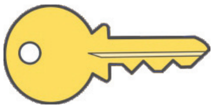 ______ ________

5. टोपियाँ अलग–अलग तरह की होती हैं? अपनी पसंद की टोपी का चित्र बनाएँ और उसके बारे में दो वाक्य लिखें।

# कबूतर

मीरा ने सपने में एक कबूतर देखा।
वह खाने की तलाश में था।

तभी एक लड़की कबूतर से मिली।

लड़की ने कबूतर को खाने के लिए
कुछ दाने दिए।

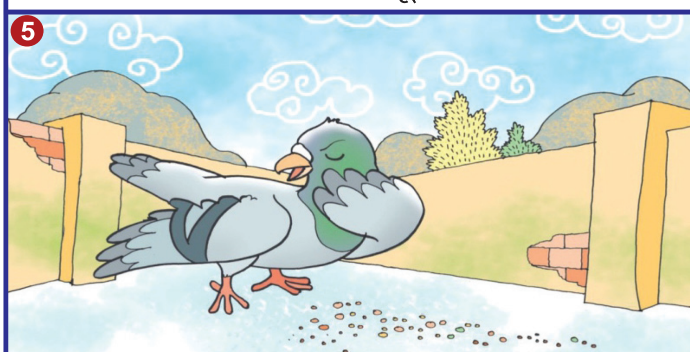

कट.....। एक दाना बहुत सख़्त था।
कबूतर के दाँत दुखने लगे।

दर्द से कराहते हुए मीरा की आँख खुली।

माँ ने मीरा से पूछा, क्या हुआ?
मीरा सोच में पड़ गई।

कुछ देर बाद मीरा बोली, कुछ नहीं माँ
मैं तो सपना देख रही थी।

Re-Written : Komal
Illustrator : Partho Sengupta

# कबूतर

1. कहानी में कौन–कौन हैं?

2. मीरा के दाँत में दर्द क्यों हुआ?

3. कबूतर क्या–क्या खाता है? पता करके लिखें।

4. दी गई मात्राओं का इस्तेमाल करके नए शब्द बनाएँ।

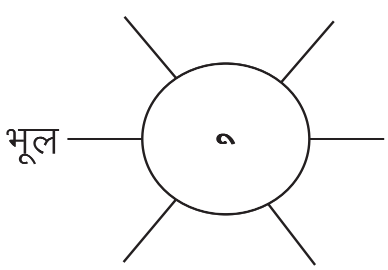


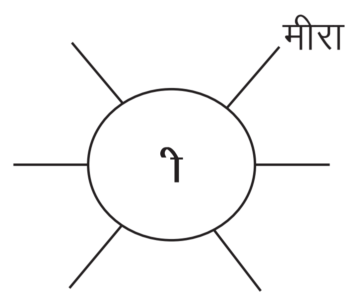


5. पिंजरे का चित्र बनाएँ। पिंजरे के बारे में एक लाइन लिखें?

Writer : Shahid Anwar

Illustrator : Partho Sengupta

# हाथी ने पानी पीना सीखा

1. हाथी का बच्चा कहाँ घूम रहा था?

2. हाथी के बच्चे ने पानी पीने के लिए क्या–क्या किया?

3. दिए गए चित्रों के नाम की आख़िरी आवाज़ लिखें।

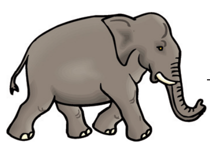

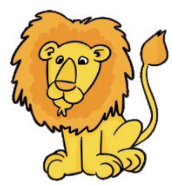

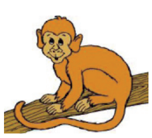

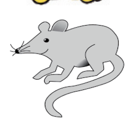

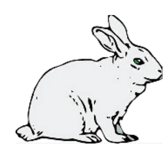

4. शब्दों की आवाज़ों को अलग–अलग करें।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| हाथी | हा | थी | चूहा | | |
| मोर | | | घोड़ा | | |
| शेर | | | भालू | | |

5. अपने मनपसंद जानवर का चित्र बनाकर उसके बारे में दो वाक्य लिखें।

# बारिश और मस्ती

आज आकाश में बादलों का डेरा है। बादलों को देखकर सभी बच्चे झुंड बनाकर आम के बगीचे में पहुँचे। बच्चे बस इसी ताक में हैं कि कब ज़ोरों की हवा चले? कब पके हुए आम नीचे टपकें? कब उनको खाया जाए? तभी बारिश शुरू हो गई। पहली बूँद गिरते ही अतुल नाचा। दूसरी बूँद गिरी रीता के सिर पर। वह भी नाचने लगी और गाने लगी– बारिश आई। बारिश आई। धीरे–धीरे बारिश तेज़ हो गई। सारे बच्चे झूम–झूमकर नाच गा रहे थे। सभी बारिश में भीग रहे थे और उछल कूद रहे थे। आम के पेड़ से आम भी टपक रहे थे, लेकिन किसी का ध्यान आम पर नहीं था।

Writer : Ranjana

Illustrator : Habib Ali

# बारिश और मस्ती

1. बच्चे बगीचे में क्यों गए?

2. बगीचे में बच्चों ने क्या किया?

3. दिए गए अक्षरों से शब्द बनाएँ।

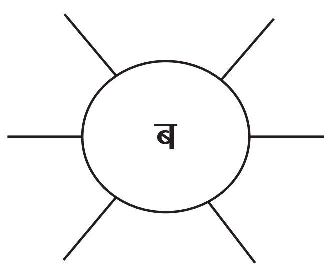


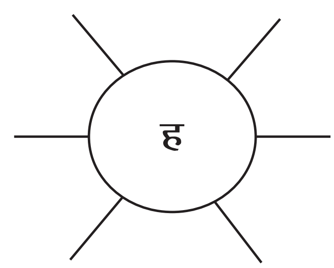


4. आपको बारिश में क्या–क्या खाना पसंद है? लिखें।

5. छतरी का चित्र बनाएँ। छतरी के क्या–क्या फायदे हैं लिखें।

# सॉरी बोला

मिन्नी आँगन में बैठी थी। अचानक! ज़ोर–ज़ोर से बादल गरजने लगे। मिन्नी उठकर भागी। उसे लगा, 'दो बादल आपस में लड़ रहे हैं। दोनों एक–दूसरे पर चिल्ला रहे हैं, जैसे वह और उसका भाई अरू लड़ते और चिल्लाते हैं।' तभी बारिश भी होने लगी। 'ज़रूर एक बादल ने दूसरे को मारा है, इसलिए वह रो रहा है', मिन्नी ने सोचा। बारिश हो ही रही थी तभी सफ़ेद बादल का एक टुकड़ा अकेला उड़ा चला जा रहा है। वह दौड़ी और ऊपर देखकर चिल्लाने लगी– किसी को ऐसे रुलाकर जाना ठीक नहीं। सॉरी तो बोलते जाओ। तभी बारिश बंद हो गई। अब मिन्नी ख़ुश थी कि बादल ने दूसरे बादल को सॉरी बोल दिया है।

Writer : Ranjana

Illustrator : Habib Ali

# सॉरी बोला

1. मिन्नी को क्यों लगा कि बादल आपस में लड़ रहे हैं?

2. 'किसी को ऐसे रूलाना ठीक नही' मिन्नी ने बादलों से ऐसा क्यों कहा?

3. कहानी में आए 'ऐसे शब्दों को ढूँढकर गोला लगाएँ जिसमें 'द' अक्षर आया हो।

बादल

4. सोचकर लिखें।

जोर = शोर, मोर

तभी =

भागी =

5. बारिश होने से पहले आसमान कैसा दिखता है, उसका चित्र बनाएँ। उसके बारे में दो लाइन लिखें।

# गुदगुदी

बहुत पुरानी बात है। पेड़ इतने लंबे और घने होते थे कि वे बादलों तक पहुँच जाते थे। पेड़ जब ख़ुश होकर लहलहाते तो बादलों को गुदगुदी होती तब वे ज़ोर–ज़ोर से हँसते और बारिश हो जाती। धरती इस बे–वक्त होने वाली बारिश से परेशान हो जाती थी। बारिश होने से वह सूख ही नहीं पाती थी। वह पेड़ों से नाराज़ रहती और पेड़ों को लहलहाने से मना करती। मगर पेड़ों को झूम–झूमकर लहलहाने में ही मज़ा आता था। बादल भी लोटपोट होकर बारिश करते रहते थे।

एक दिन धरती ने नाराज़ होकर पेड़ों को नीचे से खींच लिया। तब से बादल धरती से बहुत दूर हो गए।

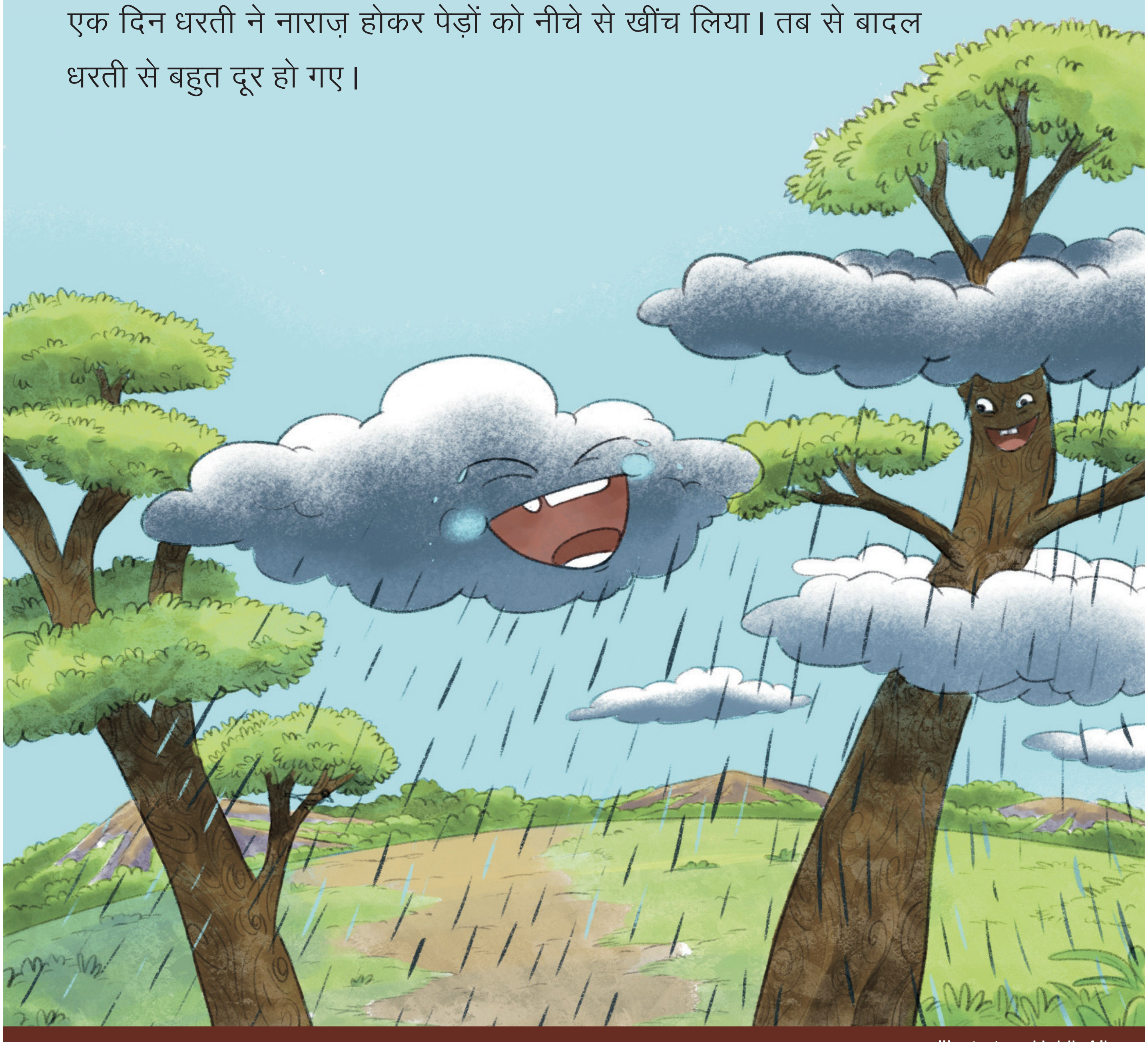

Writer : Ranjana

Illustrator : Habib Ali

# गुदगुदी

1. बादलों को कब गुदगुदी होती थी?

2. धरती परेशान क्यों रहती थी?

3. दिए गए अक्षरों से शुरू होने वाले शब्द लिखें।

ब बत्तख

ज

म

4. बारिश होने से पहले क्या–क्या होता है? लिखें।

1. बादल छाते हैं।
2. 
3. 
4. 
5. 

5. पेड़ का चित्र बनाकर उसके बारे में दो लाइन लिखें।

# मैं हूँ गुड़हल

मैं एक बहुत बड़े और सुंदर बग़ीचे में रहता था। एक दिन बग़ीचे के माली ने मुझे उखाड़ कर बाहर फेंक दिया। समर ने मुझे देखा। उसने मुझे अपने घर के बग़ीचे में लगा दिया। फिर खाने के लिए गोबर और पानी दिया। बहुत दिनों बाद मुझे अपनी पसंद का खाना मिला। वाह! क्या स्वाद था।

कभी–कभी मेरे पत्तों में कीड़े लग जाते। कीड़े मेरे पत्तों को खोखला कर सकते थे, लेकिन समर उन कीड़ों को निकालकर फेंक देता था।

अब समर मुझसे रोज़ मिलने आता है। वह मुझसे ढेर सारी बातें भी करता है।

कल मैं समर को अपना खिला हुआ पहला फूल दूँगा। मेरी डाली का ख़ूबसूरत फूल शायद उसे पसंद आए!

Writer : Malini Mukherjee Translator : Soumitra, Saira Illustrator : Susanta Das

# मैं हूँ गुड़हल

1. यह कहानी किसके बारे में है?

2. समर किससे मिलने जाता था और क्यों?

3. पौधा लगाने की प्रक्रिया को क्रम से लगाएँ।

पौधा लगाना, गड्ढा खोदना, पानी देना, खाद डालना

1.
2.
3.
4.

4. दी गई आवाज़ों को मिलाकर शब्द बनाएँ।

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ब | गी | चा | | डा | ली | | |
| मा | ली | | | फू | ल | | |
| खा | ना | | | प | सं | द | |

5. किसी पौधे का चित्र बनाएँ। उसके अलग–अलग भागों का नाम और काम लिखें।

# चटनी

धनिए और लहसुन के बीजों के बीच बातें हो रही थी। धनिया बोला— दोस्त, हम एक दिन बड़े हो जाएँगे। लहसुन भी उसकी हाँ में हाँ मिलाई।

धनिया फिर बोला— फिर हमारा मालिक हमें तोड़कर घर ले जाएगा और खाने में इस्तेमाल करेगा। तभी लहसुन बोला— बिल्कुल! ठीक कहा तुमने। एक दादी रोज़ यहाँ आती हैं और हमें प्यार से देखती हैं।

हाँ, मैंने भी उन्हें देखा है। धनिया ने झट से कहा।

सुना है दादी को धनिया और लहसुन की चटनी बहुत अच्छी लगती है।

तभी लहसुन और धनिया की नज़र दादी पर पड़ी। वे दोनों एक साथ बोले— चटनी का मज़ा लेने दादी आ रही हैं!

Writer : Komal

Illustrator : Shubham Lakhera

# चटनी

1. ऐसी सब्ज़ियों के नाम लिखें जो ज़मीन के नीचे उगती हैं।

______ ______ ______ ______

______ ______ ______ ______

2. आपके यहाँ चटनी कैसे बनाई जाती है?

______

______

3. सही आवाज़ चुनकर ख़ाली स्थान भरें।

| | | |
|---|---|---|
| ध __ ए | (नि / नी) | धनिए |
| __ न | (दि / दी) | |
| मा __ क | (ली / लि) | |
| __ क | (ठी / ठि) | |
| सु __ | (न / ना) | |

4. उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखें।

| | | |
|---|---|---|
| बड़ा | = | छोटा |
| दोस्त | = | |
| मालिक | = | |
| ठीक | = | |
| अच्छा | = | |

5. धनिए के पौधे का चित्र बनाएँ और धनिए की ख़ास बातें लिखें।

# साँप और नेवला

शाम का समय था। साँप शिकार करके अपने बिल की ओर लौट रहा था। अचानक! उसे किसी की आहट का एहसास हुआ। तभी उसकी नज़र एक नेवले पर पड़ी। साँप ने सोचा– अभी मैं बहुत छोटा हूँ और नेवला मोटा–ताज़ा है। वह मेरा कचूमर बना देगा। इससे पहले कि वह मुझे देखे, यहाँ से भाग जाना चाहिए।

साँप एक पेड़ के पीछे दुबक गया। लेकिन नेवले ने उसे देख लिया। अब तो साँप आगे–आगे और नेवला उसके पीछे–पीछे। साँप झाड़ियों के ऊपर चढ़ गया। पर नेवले ने पीछा नहीं छोड़ा। वह वहीं रुक गया। साँप नीचे उतरा तो फिर से नेवला पीछे लग गया।

ऐसा बहुत देर तक चलता रहा। इसी आपा–धापी में दोनों थक गए। साँप ने कुंडली मारी और सो गया। नेवला भी वहीं पसर गया।

थोड़ी देर बाद साँप बोला– भाई ऐसे ही मेरे पीछे पड़े रहे तो सूख के काँटा बन जाओगे! पिछली बातों को भुलाओ और दोस्ती का हाथ बढ़ाओ।

Writer : Meena Sharma Illustrator : Mitrarun Halder

# साँप और नेवला

1. साँप पेड़ के नीचे क्यों दुबक गया?

2. साँप कुंडली मारकर क्यों बैठ गया?

3. सही आवाज़ को चुनकर ख़ाली स्थान भरें।

कचू ............ (टर / मर)

........... हट (पा / आ)

काँ ........... (टा / झा)

........... बक (मु / दु)

4. तालिका को देखें और शब्द बनाएँ।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चु | ख | न | च | में |
| प | तं | ग | म | ला |
| र | रा | त | की | ठी |

5. नेवला का चित्र बनाकर रंग भरें और नेवले की कोई ख़ास बात लिखें।

# धरती और बादल की गुदगुदी

एक बार की बात है। जंगल में बातों का सिलसिला चल रहा था। धरती ने पेड़ से कुछ कहा। पेड़ मुस्कुरा दिया। पेड़ ने फूलों से कुछ कहा। फूल मुस्कुरा दिए। फूलों ने तितली से कुछ कहा। तितली मुस्कुरा दी। तितली ने नदी से कुछ कहा। नदी भी ख़ुशी से मुस्कुरा दी।

तितली जंगल के ऊपर तक उड़ी। वह ऊँची उड़ती गई, उड़ती गई। सबने मिलकर गाना गाया और धरती को उसके जन्मदिन की बधाई दी। पेड़ बधाई देते हुए लहलहाए। नदी ने अठखेलियाँ की। तितली झूम–झूमकर नाची। इस तरह सभी ने मिलकर धरती का जन्मदिन मनाया।

Writer : Ranjana

Illustrator : Habib Ali

# धरती और बादल की गुदगुदी

1. धरती ने पेड़ से क्या कहा?

2. सभी ने धरती को जन्मदिन की बधाई कैसे दी?

3. आप जन्मदिन पर क्या–क्या करते हैं? लिखें।

4. कहानी से ऐसे शब्द लिखें जिसमें 'ल' अक्षर आया हो?

5. बादल का चित्र बनाकर उसके बारे में लिखें।

# घात लगाए बैठी

चूहे उछल–कूद कर रहे थे। उनकी मौज–मस्ती चल रही थी। तभी अचानक आवाज़ आई– म्याऊँ–म्याऊँ! सभी चूहे डर गए। जो जहाँ थे, वहीं दुबक गए। बिल्ली उनकी ताक में थी। जहाँ चूहों का बिल था, वहाँ पर एक लंबी–चौड़ी दीवार थी।

चूहों ने समझदारी से काम लिया। वे चुपके–चुपके बिल बनाने लगे। बिल्ली बहुत देर तक घात लगाए बैठी रही, पर चूहे नहीं निकले। बिल्ली वहीं पर बैठी–बैठी ऊँघने लगी।

इधर चूहों का दूसरा बिल तैयार हो चुका था। वे दीवार के उस ओर जा चुके थे। उनकी मौज–मस्ती भी शुरू हो गई थी। बेचारी बिल्ली घात लगाए बैठी देखती रह गई।

Writer : Sonia    Illustrator : Mitrarun Halder

# घात लगाए बैठी

1. सभी चूहे क्यों डर गए?

2. चूहा ने क्या समझदारी दिखाई?

3. सही आवाज़ को चुनकर ख़ाली स्थान भरें। (प, मौ, ठी, ल, र, घा, चू, वा, ड़ी, कू)

घात, ..........ज, बि.........., ..........हा, आ..........ज

चौ.........., ..........द, दीवा.........., बै.........., चु..........के

4. ऐसे शब्द लिखें जो एक दूसरे से मिलता–जुलता हो।
उदाहरण : आलू – मालू, शेर – मेर

5. बिल्ली या चूहे का चित्र बनाकर उसके बारे में दो लाइन लिखें।

# सूझबूझ

एक दिन किसी तालाब पर एक मछुआरा शिकार करने आया। तालाब में मछलियाँ उछल–कूद कर रही थीं। मछुआरे ने मन–ही–मन सोचा, “अरे वाह! यहाँ तो ढेर–सारी मछलियाँ हैं। कल मैं बड़ा जाल लेकर आऊँगा।”

उस तालाब में एक सुनहरी मछली भी थी। उसने मछुआरे की बात सुन ली। यह बात उसने दूसरी मछलियों को बताई। वे सब परेशान हो गईं।

“अब हम क्या करें? कहाँ जाएँ?” सभी सोचने लगीं।

सुनहरी मछली ने कहा, “पास में एक नदी है। उसकी बहुत सारी मछलियाँ मेरी दोस्त हैं। हम सब वहाँ जाकर रह सकते हैं। वहाँ हमें कोई परेशान नहीं करेगा।”

और भी मछलियाँ तालाब से निकलीं एक पतले रास्ते से नदी में चली गईं।

अगले दिन मछुआरा आया। उसने बार–बार जाल फेंका, लेकिन एक भी मछली नहीं फँसी। मछुआरा हैरान रह गया। वह अपना–सा मुँह लेकर घर लौट गया।

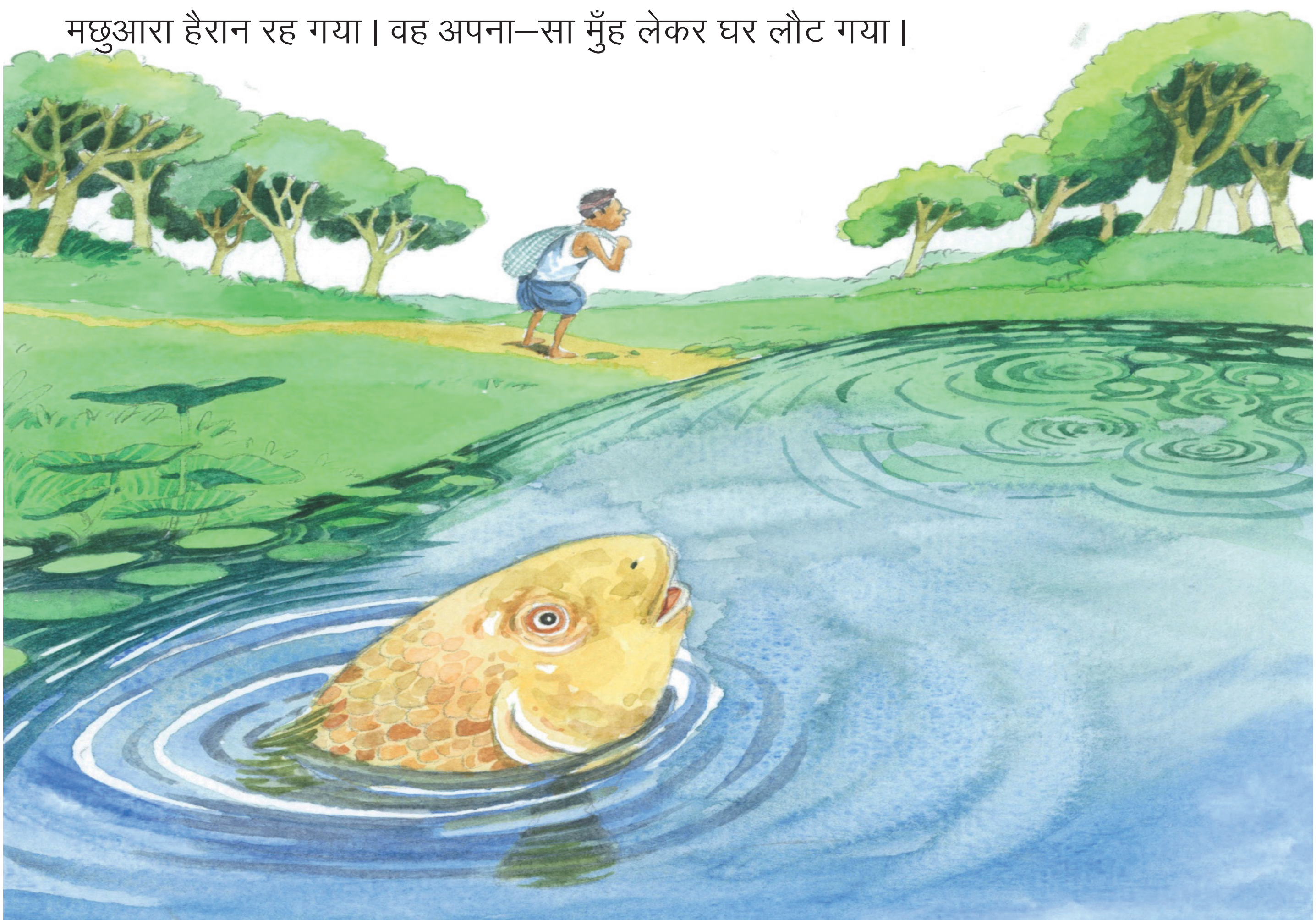

Writer : Balmiki Chauhan (Pryagraj) Illustrator : Habib Ali

# सूझबूझ

1. तालाब देखकर मछुआरे ने क्या सोचा?

2. अगले दिन जाल में कोई मछली क्यों नहीं फँसी?

3. कहानी आए शब्दों को ढूँढकर लिखें।

4. आप अलग–अलग कितनी मछलियों के नाम जानते हैं लिखें।

5. पानी में रहने वाले किसी जीव का चित्र बनाकर उसके बारे में लिखें।

# उड़ते फूल

सीमा अपने दादा जी के साथ बग़ीचे में घूम रही थी। बग़ीचे में रंग–बिरंगे फूल खिले हुए थे। उन पर तितलियाँ मँडरा रही थीं।

अचानक! सीमा रंग–बिरंगे फूल को छूने के लिए आगे बढ़ी। सारी तितलियाँ उड़ गईं। सीमा चिल्लाई – दादा जी सारे फूल उड़ रहे हैं। दादा जी हँसते हुए बोले – सही कहा, ये फूलों के फूल हैं। तितलियों से फूल हैं। फूलों से तितलियाँ हैं। इनसे दोस्ती करना आसान नहीं है। इन्हें छूने से अच्छा है, हम इन्हें देखते रहें।

सीमा तितलियों को उड़ता हुआ देखकर तालियाँ बजा रही थी। वह बार–बार एक ही बात कह रही थी– उड़ने वाले फूल! रंग–बिरंगे फूल!

Writer : Bhup Singh Bagpat

Illustrator : Shubham Lakhera

# उड़ते फूल

1. सारी तितलियाँ क्यों उड़ गईं?

2. सीमा तितलियों को उड़ने वाले फूल को रंग बिरंगे फूल क्यों कर रही थी?

3. आप कितने फूलों के नाम जानते हैं? लिखें।

4. दिए गए शब्दों की आवाज़ों को अलग–अलग करें।

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फूल | फू | ल | | तितली | | | |
| बगीचा | | | | ताली | | | |
| दादा | | | | उड़ना | | | |

5. तितली का चित्र बनाकर रंग भरें और उसके बारे में कुछ लिखें।

# पतंग

मीनू ने हाथ बढ़ाकर पलंग के नीचे से पतंग को निकाल लिया। साथ में माँझा और चरखी भी निकाल ली। पतंग को थोड़ी हैरानी हुई, लेकिन वह कुछ सोचकर ख़ुश हो गई। आज घर पर भैया नहीं हैं। मीनू पतंग को लेकर सीधा छत पर गई। बाक़ी दिन भैया पतंग उड़ाते थे, पर आज मीनू को मौक़ा मिल गया था। वह सोच रही थी कि आज वह अकेले ही पतंग उड़ाएगी। पतंग भी ख़ुश थी। क्योंकि भैया उसे आकाश में उड़ाकर सिर्फ़ पेंच ही लड़ाते थे। आपस में पेंच लड़ाना पतंग को अच्छा नहीं लगता था। वह आकाश में बादलों के बीच घूमना–फिरना और मस्ती करना चाहती थी। पतंग मस्ती से मीनू का हाथ पकड़कर आकाश में उड़ रही थी। आकाश में तैरते हुए पेड़ों को पार करके चिड़ियों के साथ उड़ान भर रही थी। मीनू फूली नहीं समा रही थी। वह सोचने लगी, 'आज बहुत दिनों बात पतंग की इच्छा पूरी हुई है, क्यों न इसे आसमान में उड़ा दूँ...।' मगर भैया का ग़ुस्सेवाला चेहरा याद आ गया। मीनू सोच में डूब गई। पतंग आकाश में मस्ती कर रही थी। मीनू ने एक पल के लिए सोचा और अचानक! झटके से पतंग की डोर काट दी। पतंग उड़ चली चाँद के देश।

Writer : Soumitro    Translator : Saira Bano    Illustrator : Shubham Lakhera

# पतंग

1. मीनू को भैया का गुस्सेवाला चेहरा क्यों याद आ गया ?

______________________________________________

______________________________________________

2. पतंग के अलावा आसमान में और क्या–क्या उड़ता हुआ दिखाई देता है?

______________________________________________

______________________________________________

3. चित्रों के नाम लिखें।

त तितली

__ ______

__ ______

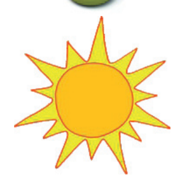 __ ______

__ ______

4. दिए गए अक्षरों से शब्द बनाकर लिखें।

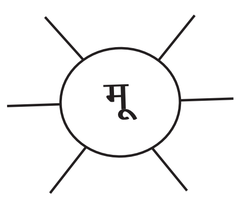


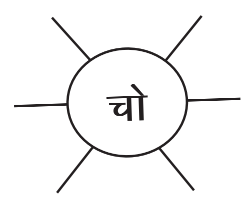


5. किसी उड़ने वाली पसंदीदा चीज़ का चित्र बनाकर उसके बारे में लिखें।

______________________________________________

______________________________________________

______________________________________________

______________________________________________

______________________________________________

______________________________________________

______________________________________________

# कूकू के सवाल

"पापा, आपने हवा को देखा है?" कूकू ने पूछा।

"नहीं"

"तो फिर सब क्यों कहते हैं कि हवा चलती है?" कूकू ने फिर पूछा।

"हाँ, सब सही कहते हैं," पापा ने बताया।

"जब किसी ने हवा को देखा ही नहीं तो कैसे पता चलता है कि वह चलती है?"

पापा कुछ सोचते हुए बोले, "हवा दिखाई नहीं देती, लेकिन जब वह चलती है तो सबको पता चल जाता है।"

"कैसे पता चल जाता है?"

"जैसे साइकिल का चलना पता चलता है। ठीक वैसे ही हवा का चलना हमें महसूस होता है।"

"लेकिन उस समय तो हम साइकिल पर बैठे होते हैं। हवा पर तो हम नहीं बैठते हैं न!" कूकू का सवाल सुनकर पापा सोचने लग गए।

Writer : Pawan Dahiya

Illustrator : Gauri Shilendran

# कूकू के सवाल

1. कूकू ने पापा से क्या पूछा?

2. आप साइकिल का उपयोग कब–कब करते हैं? लिखें।

3. नीचे दिए गए अक्षरों से बनने वाले शब्द कहानी से ढूँढकर लिखें।

क स ह

4. समान लय वाले शब्द लिखें।

हवा – दवा, सवा, नवा
पापा –
जैसे –
हम –
देखा –

5. साइकिल का चित्र बनाकर उसके बारे में लिखें।

# हवा-हवाई

आज सुबह से ठंडी हवा चल रही थी। हनी जैसे ही स्कूल के लिए निकला, वह हवा में उड़ने लगा। पहले तो वह डरा, फिर उसे उड़ने में मज़ा आने लगा। उसे आसमान में उड़ना अच्छा लग रहा था। आसमान से उसे सब कुछ छोटा–छोटा दिख रहा था। तभी उसने कुछ कबूतरों को उड़ते हुए देखा। वह भी उनके साथ–साथ उड़ने लगा। अब उसे और अच्छा लगने लगा। तभी हनी की नज़र स्कूल जा रहे अपने दोस्तों पर पड़ी। हनी ने ज़ोर से आवाज़ लगाई, "टीटू, सोनी, हिना, जॉय!" लेकिन उसके दोस्तों तक उसकी आवाज़ नहीं पहुँच पाई।

हनी जल्दी से स्कूल पहुँचकर सारी बात अपने दोस्तों को बताना चाहता था। उसने अपनी उड़ान की गति बढ़ा दी। तभी उसे किसी ने झँझोड़ डाला, "हनी, जल्दी उठो। स्कूल के लिए देर हो रही है।" दीदी ने उसकी चादर खींचते हुए कहा। हनी ने आँखें खोलते हुए कहा, "अरे दीदी, आप मुझे एक मिनट और नहीं उठाती तो मैं आज उड़कर स्कूल पहुँच जाता। मगर अब तो पैदल ही स्कूल जाना पड़ेगा।"

उसकी इस बात पर दीदी हँसने लगी।

Writer : Pawan Dahiya

Illustrator : Khushi Chauhan

# हवा-हवाई

1. उड़ते हुए हनी को कैसे दिख रहा था ?

2. हनी की आवाज़ उसके दोस्तों तक क्यों नहीं पहुँची ?

3. कहानी से 'ई' की मात्रा वाले शब्दों को ढूँढकर लिखें।

4. कहानी में आए इन पाँच वाक्यों को सही क्रम में लिखें।
   1. आसमान में उड़ना अच्छा लग रहा था।
   2. उसकी इस बात पर दीदी हँसने लगी।
   3. सुबह से ठंडी हवा चल रही थी।
   4. हनी की नज़र स्कूल जा रहे अपने दोस्तों पर पड़ी।
   5. उसने अपनी उड़ान की गति बढ़ा दी।

5. स्कूल का चित्र बनाएँ। आपको स्कूल क्यों अच्छा लगता है? लिखें।

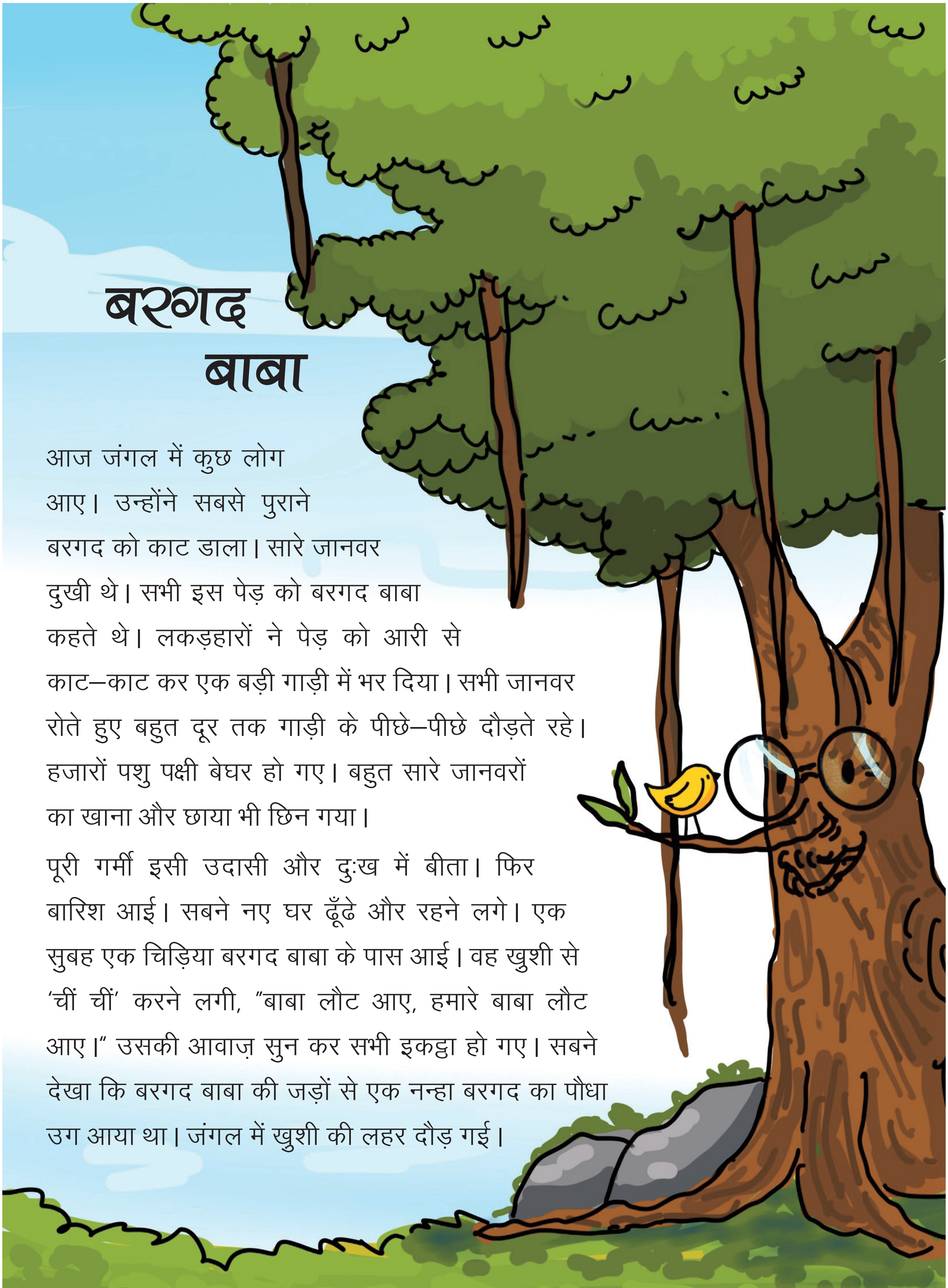

# बरगद बाबा

आज जंगल में कुछ लोग आए। उन्होंने सबसे पुराने बरगद को काट डाला। सारे जानवर दुखी थे। सभी इस पेड़ को बरगद बाबा कहते थे। लकड़हारों ने पेड़ को आरी से काट–काट कर एक बड़ी गाड़ी में भर दिया। सभी जानवर रोते हुए बहुत दूर तक गाड़ी के पीछे–पीछे दौड़ते रहे। हजारों पशु पक्षी बेघर हो गए। बहुत सारे जानवरों का खाना और छाया भी छिन गया।

पूरी गर्मी इसी उदासी और दुःख में बीता। फिर बारिश आई। सबने नए घर ढूँढे और रहने लगे। एक सुबह एक चिड़िया बरगद बाबा के पास आई। वह खुशी से 'चीं चीं' करने लगी, "बाबा लौट आए, हमारे बाबा लौट आए।" उसकी आवाज़ सुन कर सभी इकट्ठा हो गए। सबने देखा कि बरगद बाबा की जड़ों से एक नन्हा बरगद का पौधा उग आया था। जंगल में खुशी की लहर दौड़ गई।

Writer : Bharat Sharma

Illustrator : Aditi

# बरगद बाबा

1. सभी जानवर दुखी क्यों थे ?

______________________________

______________________________

2. चिड़िया को क्यों लगा कि बाबा लौट आए हैं ?

______________________________

______________________________

3. लययुक्त शब्द बनाएँ।

राजा ________ ________ ________

चेला ________ ________ ________

4. इन आवाज़ों से नए शब्द बनाकर लिखें।

बे ___बेर___ ________ ________ ________

पौ ________ ________ ________ ________

कि ________ ________ ________ ________

5. पेड़ का चित्र बनाएँ। उसके बारे में दो लाइन लिखें।

| | |
|---|---|
| | ______________________________<br>______________________________<br>______________________________<br>______________________________<br>______________________________ |

# डोडो की खोज

बहुत पुरानी बात है। उस समय धरती पर केवल जंगल थे। मानव कपड़ों की जगह पेड़ों की छाल लपेटते थे और कच्चा भोजन ही खाते थे। ऐसे ही लोगों का एक समूह नदी के पास की गुफा में रहता था। उनमें एक छोटी लड़की थी डोडो। डोडो बहुत ही खोजी स्वाभाव वाली थी। वह रोज़ नई–नई चीज़ें खोजती और अपने माँ– बाबा को बताती। उसके माँ–बाबा उसके काम की तारीफ़ करते तो वह जोश में और नई चीज़ें ढूँढने लग जाती।

एक दिन डोडो को कुछ भी नया नहीं मिला। वह बिना किसी खोज के घर नहीं जाना चाहती थी। जब कुछ नहीं मिला और रात होने लगी तो उसे गुस्सा आने लगा। उसने गुस्से में एक छोटा पत्थर उठा कर पास पड़े पत्थर पर ज़ोर से दे मारा। पत्थरों के टकराने पर जो हुआ उसे देख डोडो की आँखों में चमक आ गई। उसने फिर से ऐसा किया। हर बार पत्थरों के टकराने पर एक रोशनी चमक जाती। वह दौड़ कर अपने घर आई और सभी को अपनी आज की खोज के बारे में बताया। समूह के मुखिया ने डोडो को धन्यवाद दिया, क्यूंकि उसने आज आग की खोज की थी। अब समूह में हर तरफ रोशनी और खुशी थी।

Writer : Pawan Dahiya

Illustrator : Aditi

# डोडो की खोज

1. पहले लोग कैसे कपड़े पहनते थे ?

______________________________________________

______________________________________________

2. डोडो की माँ, बाबा उसकी तारीफ़ क्यों करते थे ?

______________________________________________

______________________________________________

3. जोड़े बनाएँ।

| | |
|---|---|
| जंगल | पानी |
| अँधेरा | दुख |
| नई | पेड़ |
| नदी | पुरानी |
| सुख | रोशनी |

4. दिए गए अक्षरों से शब्द पूरा करें। (री, खो, ल, मा, नी, श)

उदाहरण : **मा**नव

| | |
|---|---|
| पुरा ___ | ता ___ फ़ |
| रो ___ नी | जंग ___ |
| ___ ज | |

5. अगर आपको अपने कपड़े खुद डिजाइन करने का मौका मिले तो कैसे ड्रेस बनाना चाहेंगे? उसका चित्र बनाएँ। साथ ही लिखें आपने ऐसी ड्रेस क्यों बनाई ?

# Notes